

अध्याय 5

क्या निराश हुआ जाए

1 अंक वाले प्रश्न

1. "क्या निराश हुआ जाए" का क्या अर्थ होता है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" का अर्थ होता है 'डिसाप्पॉइंटमेंट ना होना'।

2. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ किस प्रकार के विचारों को जागृत करता है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" पाठ किसी व्यक्ति में उत्साह, संघर्ष और सकारात्मक सोच को जागृत करता है।

3. "क्या निराश हुआ जाए" के अनुसार किसी भी परिस्थिति में क्या करना चाहिए?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" के अनुसार किसी भी परिस्थिति में हमें संघर्षशील रहना चाहिए और उम्मीद और उत्साह बनाए रखना चाहिए।

4. "क्या निराश हुआ जाए" की सारांशिक विशेषता क्या है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" की सारांशिक विशेषता है कि यह हमें नकारात्मकता को दूर करने के लिए प्रेरित करता है और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है।

5. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का महत्त्व क्या है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का महत्त्व है कि यह हमें जीवन में प्रोत्साहित करता है, निराशा से बाहर निकलने और सकारात्मक दिशा में सोचने की प्रेरणा देता है।

6. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ की मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" पाठ की मुख्य संदेश है कि हमें हालातों के खिलाफ नहीं हारना चाहिए और उत्साह और संघर्ष को बनाए रखना चाहिए।

7. "क्या निराश हुआ जाए" के अनुसार, जीवन में किसे हमेशा महत्वपूर्ण समझना चाहिए?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" के अनुसार, जीवन में हमेशा आत्मविश्वास को महत्वपूर्ण समझना चाहिए।

8. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का उद्देश्य क्या है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का उद्देश्य है निराशा और नकारात्मकता को दूर करना और सकारात्मकता को प्रोत्साहित करना।

9. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का संदेश कैसे है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का संदेश है कि जीवन में हार नहीं माननी चाहिए और संघर्षशील रहकर उन्नति की दिशा में बढ़ना चाहिए।

2अंक वाले प्रश्न

1.लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर :

लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है कि उसने धोखा भी खाया है परंतु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज मिलती है। पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण उनकी सहायता की है, निराश मन को ढाँढस दिया है और हिम्मत बँधाई है।

टिकट बाबू द्वारा बचे हुए पैसे लेखक को लौटाना, बस कंडक्टर द्वारा दूसरी बस व बच्चों के लिए दूध लाना आदि ऐसी घटनाएँ हैं। इसलिए उसे विश्वास है कि समाज में मानवता, प्रेम, आपसी सहयोग समाप्त नहीं हो सकते।

2.लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा? क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं?

उत्तर :

लेखक ने इस लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' उचित रखा है। आजकल हम अराजकता की जो घटनाएँ अपने आसपास घटते देखते रहते हैं। जिससे हमारे मन में निराशा भर जाती है। लेकिन लेखक हमें उस समय समाज के मानवीय गुणों से भरे लोगों को और उनके कार्यों को याद करने कहा है जिससे हम निराश न हो।

इसका अन्य शीर्षक 'हम निराशा से आशा' भी रख सकते हैं।

3. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: "क्या निराश हुआ जाए" पाठ का मुख्य उद्देश्य है लोगों को सकारात्मक और उत्साही बनाना।

4. आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल 'दोषों का पर्दाफ़ाश' कर रहे हैं। इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए?

उत्तर :

इस प्रकार के पर्दा फाश से समाज में व्याप्त बुराईयों से, अपने आस-पास के वातावरण तथा लोगों से अवगत हो जाते हैं और इसके कारण समाज में जागरूकता भी आती है साथ ही समाज समय रहते ही सचेत और सावधान हो जाता है।

5. निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या-क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे – "ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।" "परिणाम-भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

1. "सच्चाईकेवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।"
2. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।"
3. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।"

उत्तर :

1. "सच्चाईकेवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। – तानाशाही बढ़ेगी
2. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।" – भ्रष्टाचार बढ़ेगा
3. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" – अविश्वास बढ़ेगा

6. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

उत्तर :

दोषों का पर्दाफ़ाश करना तब बुरा रूप ले सकता है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करके उसमें रस लेते हैं या जब हमारे ऐसा करने से वे लोग उग्र रूप धारण कर किसी को हानि पहुँचाए।

4अंक वाले प्रश्न

1. दो शब्दों के मिलने से समास बनता है। समास का एक प्रकार है – द्वंद्व समास। इसमें दोनों शब्द प्रधान होते हैं। जब दोनों भाग प्रधान होंगे तो एक-दूसरे में द्वंद्व (स्पर्धा, होड़) की संभावना होती है। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता, जैसे – चरम और परम = चरम-परम, भीरु और बेबस = भीरू-बेबस। दिन और रात = दिन-रात।

‘और’ के साथ आए शब्दों के जोड़े को ‘और’ हटाकर (-) योजक चिह्न भी लगाया जाता है। कभी-कभी एक साथ भी लिखा जाता है।

द्वंद्व समास के बारह उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर :

सुख और दुख	सुख-दुख
भूख और प्यास	भूख-प्यास
हँसना और रोना	हँसना-रोना
आते और जाते	आते-जाते
राजा और रानी	राजा-रानी

चाचा और चाची	चाचा-चाची
सच्चा और झूठा	सच्चा-झूठा
पाना और खोना	पाना-खोना
पाप और पुण्य	पाप-पुण्य
स्त्री और पुरुष	स्त्री-पुरुष
राम और सीता	राम-सीता
आना और जाना	आना-जाना

2. पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाओं के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर :

जातिवाचक संज्ञा : बस, यात्री, मनुष्य, ड्राइवर, कंडक्टर,

हिन्दू, मुस्लिम, आर्य, द्रविड़, पति, पत्नी आदि।

भाववाचक संज्ञा : ईमानदारी, सच्चाई, झूठ, चोर, डकैत आदि।

3. यदि 'क्या निराश हुआ जाए' के बाद कोई विराम चिह्न लगाने के लिए कहा जाए तो आप दिए गए चिह्नों में से कौन-सा चिह्न लगाएँगे? अपने चुनाव का कारण भी बताइए – , । . । ? ; – , ।

उत्तर :

'क्या निराश हुआ जाए' के बाद मैं प्रश्न चिह्न 'क्या निराश हुआ जाए?' लगाना उचित समझता हूँ। समाज में व्याप्त बुराइयों के बीच रहते हुए भी जीवन जीने के लिए सकारात्मक दृष्टि जरूरी है।

4. "आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर :

"आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" – मैं इस कथन से सहमत हूँ क्योंकि व्यक्ति जब आदर्शों की राह पर चलता है तब उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। असामाजिक तत्वों का अकेले सामना करना पड़ता है।

रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें:

1. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ में _____ के बारे में बताया गया है।

उत्तर : "क्या निराश हुआ जाए" पाठ में संघर्ष और उम्मीद के बारे में बताया गया है।

2. जीवन में निराशा और _____ का अंत करना चाहिए।

उत्तर : जीवन में निराशा और नकारात्मकता का अंत करना चाहिए।

3. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ में _____ का महत्त्व बताया गया है।

उत्तर : "क्या निराश हुआ जाए" पाठ में आत्मविश्वास का महत्त्व बताया गया है।

4. हर चुनौती को _____ से लेना चाहिए।

उत्तर : हर चुनौती को संघर्ष से लेना चाहिए।

5. जीवन में _____ और उम्मीद बनी रखना चाहिए।

उत्तर : जीवन में सकारात्मकता और उम्मीद बनी रखना चाहिए।

6. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ हमें निराशा से बाहर निकलने और _____ में जीने की प्रेरणा देता है।

उत्तर : "क्या निराश हुआ जाए" पाठ हमें निराशा से बाहर निकलने और सकारात्मकता में जीने की प्रेरणा देता है।

7. हर मुश्किल को _____ के साथ समान रूप से देखा जाना चाहिए।

उत्तर : हर मुश्किल को संघर्ष के साथ समान रूप से देखा जाना चाहिए।

8. जीवन में हर चुनौती को _____ से नहीं मानना चाहिए।

उत्तर : जीवन में हर चुनौती को हार से नहीं मानना चाहिए।

9. नकारात्मकता से बचकर हमें _____ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उत्तर : नकारात्मकता से बचकर हमें सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

10. "क्या निराश हुआ जाए" पाठ हमें निराशा से बाहर निकलकर _____ में विश्वास रखने की प्रेरणा देता है।

उत्तर : "क्या निराश हुआ जाए" पाठ हमें निराशा से बाहर निकलकर उम्मीद में विश्वास रखने की प्रेरणा देता है।

सारांश:

"क्या निराश हुआ जाए" हिंदी कक्षा 8 के पाठों में से एक है, जो हमें नकारात्मकता के बारे में सोचने से बचाता है और हमें सकारात्मकता और उम्मीद के महत्व को समझाता है। यह पाठ हमें बताता है कि हमें अपने जीवन में आत्मविश्वास और संघर्ष के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए और हर मुश्किलता को उम्मीद और सकारात्मक सोच से देखना चाहिए। इस पाठ से हमें यह सिखने को मिलता है कि जीवन में हर बार कोई भी परेशानी आ सकती है, लेकिन हमें इससे हार नहीं माननी चाहिए और सकारात्मकता को बनाए रखना चाहिए। यह हमें प्रेरित करता है कि हमें जीवन में हमेशा उम्मीद और सकारात्मकता बनाए रखनी चाहिए।